10 दिसंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

ट्रैक्टर व मोपेड की टक्कर में गई नौ वर्षीय मासूम की जान, विरोध में सड़क जाम

2

दलित छात्राओं को जोगिनी बताकर किया विदेशी धन हासिल

- ट्यूशन फीस को बताया दान, 296 करोड़ का किया गबन

एजेंसी/नई दिल्ली

ऑपरेशन मोबिलाइजेशन चैरिटी समूह द्वारा भारत भर में संचालित गुड शेफर्ड स्कूलों के छात्रों से ली गई ट्यूशन फीस और सहायक शुल्क में बड़े पैमाने पर गबन किया गया है। ट्यूशन फीस को दान बताकर 296 करोड़ रुपये का गबन कर दिया। सरकार से पर्याप्त सब्सिडी ली, मगर उसका फायदा छात्रों को नहीं दिया। अपराध की आय से एकत्रित की गई राशि का इस्तेमाल कई जगहों पर किया गया। धर्म विशेष के प्रचार में भी राशि का इस्तेमाल हुआ। छात्र डेटा में हेरफेर में एक ही व्यक्ति को कई छात्र कोड दिए गए। अलग-अलग वर्षों के लिए अलग-अलग छात्र कोड जारी किए गए। जांच एजेंसी के मुताबिक, विदेशों से भारी मात्रा में आर्थिक मदद इसलिए दी जाती थी ताकि दलित और हाशिए पर रह रहे बच्चों की बेहतर शिक्षा देकर उनका उत्थान किया जा सके। दलित छात्राओं को श्जोगिनीश (यौन शोषण की शिकार मंदिर की परिचारिकाएं) बताकर गलत जानकारी दी। आरोपी संस्था ने इसके जरिए विदेशी धन हासिल किया। प्रवर्तन निदेशालय हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत 3.58 करोड़ रुपये मूल्य की 12 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई ऑपरेशन मोबिलाइजेशन चैरिटी समूह द्वारा भारत भर में संचालित गुड शेफर्ड स्कूलों के छात्रों से ली गई ट्यूशन फीस और सहायक शुल्क के बड़े पैमाने पर गबन, साथ ही सरकारी अनुदान प्राप्त शिक्षा के अधिकार (आरटीई) और छात्रवृत्ति राशि के गबन की जांच के संबंध में की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 15 करोड़ रुपये आंका गया है। ईडी ने ईओडब्ल्यू, सीआईडी, तेलंगाना द्वारा आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत ओएम इंडिया संस्थाओं और उसके प्रमुख पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त केस की जांच शुरू की थी। सीआईडी ने ऑपरेशन मर्सी इंडिया फाउंडेशन (ओएमआईएफ) और संबद्ध संगठनों के भीतर एक बड़े पैमाने पर संगठित धोखाधड़ी का पदार्फाश किया, जिसमें विदेशी और घरेलू दान में लगभग 296.6 करोड़ रुपये का डायवर्जन और गबन शामिल था।

फोरेंसिक ऑडिट से हुआ खुलासा

फोरेंसिक ऑडिट से यह भी पता चला है कि छात्र शिक्षा प्रायोजन के लिए विदेशी दाताओं को प्रस्तुत किए गए छात्र डेटा में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया था। सभी छात्रों से नियमित ट्यूशन फीस और अन्य शुल्क एकत्र किए गए थे। उन्हें गलत तरीके से श्स्थानीय दानश के रूप में दर्ज किया गया। ईडी की जांच से पता चला है कि ओएमआईएफ को दलित और समाज के अन्य हाशिए पर पड़े वर्गों के छात्रों की शिक्षा और स्कूलों के निर्माण व संचालन से संबंधित अन्य सहायक खर्चों के लिए विदेशी प्रायोजन से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हुआ था। ईडी द्वारा ओएमआईएफ इंडिया के कार्यालयों और प्रमुख पदाधिकारियों के आवासों पर की गई तलाशी में संपत्ति के दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। उनकी जाँच से पता चला कि छात्र प्रायोजन डेटा में

साइबर अपराध से निपटने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर कर रहे हैं काम

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली देश में ऑनलाइन लेनदेन और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ ही साइबर अपराध के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं वैसे तो पुलिस और सामान्य प्रशासन राज्य का विषय है ऐसे में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ही अपराध रोकने, जांच करने और सजा दिलाने के लिए जिम्मेदार है साइबर अपराध से निपटने का जिम्मा भी राज्यों का है साइबर अपराध के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकार साइबर पुलिस स्टेशन का गठन कर रही है इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न मद में राज्यों को वित्तीय सहायता मुहैया कराने का काम किया जाता है देश में साइबर सेल और साइबर पुलिस स्टेशन संबंधी डेटा तैयार करता है साइबर अपराध से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कई कदम उठाए गए हैं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध से निपटने के लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर(आई 4 सी) का गठन किया है यही संस्था देश में सभी तरह के साइबर अपराध से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों को मदद करती है इसके अलावा आम लोगों के लिए साइबर संबंधी अपराध की शिकायत करने के लिए नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल लांच कियो जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के मामले की शिकायत को प्राथमिकता देने का प्रावधान है इस पोर्टल पर साइबर अपराध से जुड़ी शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज होती है और संबंधित राज्य सरकार इस मामले में कार्रवाई करते हैं

उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे है

डीबीटी से कैश, ईवीएम और चुनाव आयोग पर कांग्रेस का हमला

एजेंसी/नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र का सातवां दिन जोरदार हंगामेंदार रहा। अभी हाल में बिहार में हुए चुनाव को लेकर चर्चा हुई। साथ ही चुनाव सुधार पर लेकर बहस भी हुई। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चर्चा की शुरूआत की। उन्होंने चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को लेकर तीखे सवाल पूछे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पांच करोड़ वोट काटे जा रहे हैं और इसके पीछे एक बड़ा मैपिंग एप घोटाला है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह ऐप उसी कंपनी का है जिसने भाजपा को चुनावी बॉन्ड दिए थे। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि वंदे मातरम पर भाजपा की राजनीति गलत है, क्योंकि जब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था, तब स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था लेकिन भाजपा-आरएसएस से उससे कोई संबंध नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस ने 50 वर्षों तक अपने मुख्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं दी। यादव बोले कि सपा वंदे मातरम का सम्मान करती है और इसका विरोध करने वालों की राजनीति नहीं मानती। कांग्रेसी सांसद इमरान मसूद ने वंदे मातरम पर विवाद के बीच कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और अपनी धार्मिक पहचान नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनका धर्म सभी से प्रेम करने की सीख देता है। मसूद ने कहा कि जब वंदे मातरम गाया जाता है, वे खड़े होकर सम्मान दिखाते हैं, लेकिन धर्म बदलने जैसी बातें स्वीकार नहीं हैं।

राहुल को चुनाव प्रक्रिया समझनी होगी

लोकसभा में राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी को भारत की चुनावी प्रक्रिया की बुनियादी समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल ने यह सवाल उठाया कि चुनाव के 45 दिन बाद सीसीटीवी फुटेज क्यों नष्ट की जाती है, जबकि यह नियम स्वतंत्रता के बाद से लागू है और मोदी सरकार ने इसे नहीं बदला है। पात्रा के मुताबिक, भारत के कानून के अनुसार चुनाव खत्म होने के 45 दिन के भीतर कोई भी न्यायालय में चुनौती दे सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस के पास अब भी 20 दिन बचे हैं और जो भी फुटेज चाहिए, वह मांग सकते हैं। पात्रा ने तंज करते हुए कहा कि राहुल गांधी को होमवर्क करने की जरूरत है। राहुल गांधी के चुनाव सुधार पर दिए गए भाषण को लेकर पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल ने संसद में झूठ की बाढ़ ला दी। उन्होंने कहा कि राहुल द्वारा चुनाव आयोग को धमकाना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। पात्रा के अनुसार राहुल ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा, बिहार और महाराष्ट्र में ह्लवोट चोरीह्व कर चुनाव जीता, जो मतदाताओं का अपमान है। उन्होंने पूछा कि अगर भाजपा सभी राज्यों में वोट चुरा रही है, तो फिर झारखंड, कर्नाटक, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस कैसे जीत गई? पात्रा ने कहा कि राहुल का बयान अहंकार और अज्ञानता दिखाता है और न्यायिक संस्थाओं को धमकाने की यह भाषा पहले कभी नहीं सुनी गई। उन्होंने कहा कि राहुल को देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए।

न्यायपालिका को बदनाम करने की साजिश

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कई सेवानिवृत्त जजों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ चल रही मोटीवेटेड कैंपेन पर कड़ी आपत्ति जताई है। यह बयान उस समय सामने आया है जब सीजेआई कांत द्वारा रोहिंग्या प्रवासियों से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियों को लेकर विवाद पैदा हुआ। जजों ने कहा कि 5 दिसंबर को कुछ पूर्व जजों, वकीलों और कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल एकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स द्वारा लिखे गए खुले पत्र में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को संदर्भ से हटाकर पेश किया गया। पत्र में कहा गया था कि 2 दिसंबर की सुनवाई में रोहिंग्या शरणार्थियों पर अमानवीय टिप्पणी हुई। रिटायर्ड जजों द्वारा जारी बयान में कहा गया सुप्रीम कोर्ट को बदनाम करने का प्रयास अस्वीकार्य है। न्यायपालिका की आलोचना तर्कपूर्ण और जिम्मेदार होनी चाहिए, न कि सुनियोजित तरीके से उसकी छवि खराब करने वाली। बयान में कहा गया कि सीजेआई सूर्य कांत ने सिर्फ एक मूलभूत कानूनी सवाल पूछा था कानून के तहत यह दर्जा किसने दिया है? जबकि इसे जानबूझकर गलत अर्थों में पेश किया गया। जजों ने कहा कि सुनवाई के दौरान पीठ ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा था कि भारत की जमीन पर मौजूद कोई भी व्यक्ति चाहे नागरिक हो या विदेशी उसे यातना, गायब करने या अमानवीय व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ेगा और हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान होना चाहिए।

इंडिगो की उड़ानें पटरी पर लौटीं, 1800 से ज्यादा फ्लाइट संचालन बहाल

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा है कि नेटवर्क में लगातार कई दिनों से सुधार के बाद उसकी सभी उड़ान सेवाएं अब सामान्य हो चुकी हैं। कंपनी ने पुष्टि की कि वेबसाइट पर प्रकाशित सभी फ्लाइट्स अब एडजस्टेड नेटवर्क के तहत नियमित रूप से संचालित होंगी। एयरलाइन के अनुसार, हवाई अड्डों पर फंसे लगभग सभी बैग यात्रियों को लौटा दिए गए हैं और बचे हुए बैग जल्द पहुंचाने का काम तेजी से जारी है। कंपनी ने बताया कि वह आज 1800 से अधिक उड़ानें संचालित कर रही है, जो नेटवर्क में मौजूद सभी 138 स्टेशनों को जोड़ती हैं। वहीं, कल लगभग 1900 उड़ानें संचालित करने की योजना है। इंडिगो ने कहा कि उसकी ऑन-टाइम परफॉर्मेंस भी अब पहले की तरह सामान्य हो गई है। एयरलाइन ने यात्रियों के लिए कैंसिलेशन पर ह्यनो क्वेश्चन आस्क्डह्ण नीति के साथ फुल रिफंड की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑटोमेट कर दिया है, जिसे कंपनी की वेबसाइट पर सरल प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जा सकेगा। इंडिगो ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का नवीनतम स्टेटस वेबसाइट पर अवश्य चेक करें। कंपनी ने सेवा बाधित होने से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी जताया है। पिछले हफ्ते इंडिगो एयरलाइन की आंतरिक गड़बड़ियों की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इन मामलों की जांच और कार्रवाई जारी है। इसी बीच एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने के लिए सरकार ने इंडिगो प्रबंधन के साथ एक और समीक्षा बैठक की। सरकार ने इंडिगो की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती का आदेश दिया है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंत्रालय में तलब किया गया।

पांच वर्षों में दस प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी

दुनिया भर में कैंसर के मामलों में भारत तीसरे नंबर पर

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और यह स्वास्थ्य चुनौती देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। लोकसभा में सरकार ने पेश किए गए आंकड़े चिंताजनक संकेत दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी (क्थ्फ्ळ) के अनुसार, भारत में कैंसर के अनुमानित मामले 14,13,316 हैं, यानी 98.5 प्रति 1,00,000 की दर। यह संख्या चीन (48,24,703 मामले, 201.6 प्रति 1,00,000) और संयुक्त राज्य अमेरिका (23,80,189 मामले, 367 प्रति 1,00,000) के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर आती है। सरकार द्वारा संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2020 में अनुमानित मामलों की संख्या 13.92 लाख थी, जो 2024 में बढ़कर 15.33 लाख हो गई। यानी केवल पांच वर्षों में ही कैंसर के मामलों में दस प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राज्यवार आंकड़ों में यह भी सामने आया है कि छोटे केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिशत वृद्धि सबसे तेज रही है, जबकि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे बड़े राज्यों में कुल मरीजों की संख्या अधिक है।

सबसे तेज वृद्धि वाले क्षेत्र

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दमन में कैंसर मामलों में 39.51% की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा दादरा एवं नगर हवेली (30.09%), सिक्किम (26.06%), लक्षद्वीप (18.52%) और मणिपुर (18.48%) में भी मामलों में तेजी देखी गई। दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में भी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू का सेवन, प्रदूषण और जीवनशैली से जुड़े कारक इस बढ़ोतरी में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

बड़ी आबादी वाले राज्यों में भारी बोझ

जनसंख्या के आधार पर सबसे ज्यादा मरीज उत्तर प्रदेश (2.21 लाख), महाराष्ट्र (1.27 लाख), पश्चिम बंगाल (1.18 लाख) और बिहार (1.15 लाख) में पाए गए। इन राज्यों में प्रतिशत वृद्धि कम दिख सकती है, लेकिन कुल मरीजों की संख्या बहुत अधिक है।

नौ साल पुराने बक्सर हत्याकांड में सख्त फैसला, जिला पार्षद प्रतिनिधि रिंकू यादव समेत चार को उम्रकैद

- **एडीजे-3 अदालत ने हत्या को बताया योजनाबद्ध अपराध, सभी दोषियों पर भारी जुमार्ना भी, हरेंद्र सिंह की पत्नी ने दर्ज कराई थी एफआईआर**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में वर्ष 2016 के बहुचर्चित हरेंद्र सिंह हत्याकांड में लगभग नौ वर्ष बाद बड़े कानूनी फैसले ने पूरे जिले का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एडीजे-3 की अदालत ने मंगलवार को पश्चिमी जिला पार्षद प्रतिनिधि रिंकू यादव समेत चार अभियुक्तों जयराम पासवान, अजय कुमार और चतुरी साह, को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए घटना को योजनाबद्ध हत्या करार दिया। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए हत्या, मारपीट और अवैध हथियार रखने से जुड़े विभिन्न धाराओं में अलग-अलग सजाएं भी सुनाईं। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर और प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि 23 अगस्त 2016 को बस स्टैंड में कार्यरत हरेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी इंदु देवी ने तत्काल एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसने पूरे मामले का असली एंगल उजागर किया। उनके अनुसार, हरेंद्र सिंह जमीन व्यवसाय में निवेश करते थे और इसी क्रम में विकास वर्मा उनसे भारी राशि लेकर लौटाने में लगातार बहाने बना रहा था। घटना वाले दिन विकास वर्मा शाम को हरेंद्र के घर आया और आंशिक रकम लौटाई। अधूरी राशि को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। इसी दौरान विकास वर्मा ने रात में पूरा पैसा देने का वादा किया और ह्लपार्टीह्व के बहाने हरेंद्र को साथ ले गया। थोड़ी देर बाद शहर में गोली चलने और हरेंद्र के घायल होने की सूचना फैली। अस्पताल ले जाते समय ही उनकी मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस को कई तकनीकी साक्ष्य मिले, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि हत्या की साजिश पहले से रची गई थी। कॉल डिटेल, लोकेशन, घटनास्थल के साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही ने रिंकू यादव, जयराम पासवान, अजय कुमार और चतुरी साह की संलिप्तता साबित कर दी। अदालत में प्रस्तुत इन साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए न्यायालय ने सभी को दोषी करार दिया। अदालत ने धारा 302 के तहत उम्रकैद और 1 लाख रुपये जुमार्ना, धारा 326 में 10 वर्ष कैद और 50 हजार रुपये जुमार्ना तथा आर्म्स एक्ट धारा 27 में 4 वर्ष कैद और 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाने का निर्देश दिया। न्यायालय ने टिप्पणी की कि अपराध न केवल गंभीर था, बल्कि इसे पूरी योजना के तहत अंजाम दिया गया।

लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हरेंद्र सिंह के परिवार ने राहत की सांस ली है। स्थानीय स्तर पर भी इस फैसले को एक महत्वपूर्ण न्यायिक कार्रवाई माना जा रहा है, जिसने जिले में आपराधिक मामलों पर अदालत की कड़ी दृष्टि का स्पष्ट संदेश दिया है।

मौसी के ससुराल से अपने गांव लौट रही थी मासूम, सिमरी थाना क्षेत्र के बबुआ तिवारी मंदिर के समीप की है घटना

ट्रैक्टर व मोपेड की टक्कर में गई नौ वर्षीय मासूम की जान, विरोध में सड़क जाम

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बबुआ तिवारी ब्रह्मस्थान के समीप मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक नौ वर्षीय लड़की की जान चली गई है। घटना टैक्टर व मोपेड के टक्कर से हुई। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग तथा मोपेड चला रहे उसके रिश्तेदार उसे लेकर इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे वहीं, घटना को अंजाम दे भाग रहे टैक्टर चालक को भी पकड़ डुमरांव पुलिस को सुपुर्द कर दिए। अनुमंडलीय अस्पताल में पहुंचने पर डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि के बाद आक्रोशित लोगों ने सिमरी-पड़री पथ स्थित बबुआ तिवारी के पास सड़क जाम कर दिया। जिस कारण करीब एक से डेढ़ घंटे तक भोजपुर-पड़री पथ पर वाहनों का परिचालन ठप हो गया था तथा सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। सड़क जाम किए जाने की सूचना मिलते ही सिमरी बीडीओ प्रशांत कुमार व प्रभारी थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह मौके पर पहुंचे तथा आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस दौरान आक्रोशित लोग उचित मुआवजे व टैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इधर सिमरी पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले टैक्टर को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। उस पर सिमेंट व छड़ लदा था।

मौसी की शादी में आई थी मृतका, गांव लौटने के दौरान हुई हादसे की शिकार

मृतका की पहचान भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिगांव निवासी सनोज गोंड व डिंपल देवी की 9 वर्षीय पुत्री राधा कुमारी के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार करीब एक पखवाड़े पहले उसकी मौसी अंकिता की शादी रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र के डूभा गांव निवासी योगेन्द्र गोंड के पुत्र सत्येन्द्र गोंड के साथ हुई थी। राधा इसी शादी में मौसी के साथ डूभा आई थी। उसके माता-पिता बक्सर पांडेयपट्टी में रहते है तथा वही पर मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते है। बताया कि जा रहा है कि पीड़ित परिवार काफी गरीब है। मंगलवार को उसके मौसा के पितो योगेन्द्र गोंड अपनी मोपेड बाइक से उसे छोड़ने बक्सर जा रहे थे। जैसे ही वे बबुआ तिवारी ब्रह्म स्थान के पास पहुंचे कि उनकी मोपेट टैज्क्टर पर लदे छड़ से टकरा गई। जिस कारण उनका संतुलन बिगड़ा तथा वे नीचे गिर पड़े। इस दौरान मोपेड पर आगे बैठी राधा को गंभीर चोटे आई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

भोजपुर-सिमरी पथ की कम चौड़ाई बन रही है हादसों का कारण

बता दें कि भोजपुर-सिमरी पथ की चौड़ाई काफी कम है। यह सिंगल पथ है, जिस पर दोनों तरफ से चारपहिया वाहनों के गुजरने से सड़क की चौड़ाई कम पड़ जाती है, जिस कारण इस पथ पर अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है। वहीं, इस पथ में बबुआ तिवारी ब्रह्म स्थान से लेकर नगवां बिंदडेरा के समीप तक सड़क के दोनों किनारे बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए है, जिस कारण वाहन चालकों को इस जगह वाहन चलाने में खासे परेशानी का समाना करना पड़ता है। हालांकि, पिछले वर्ष ही भोजपुर से आशा पड़री तक इस पथ के चौड़ीकरण की स्वीकृति मिल चुकी है। बावजूद अभी तक चौड़ीकरण का काम शुरू नहीं हो पाया है। जिस कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है। इस घटना के बाद लोगों ने भोजपुर से आशा पड़री तक पथ के चौड़ीकरण कराने की मांग की है, ताकि आए दिन हो रही दुर्घटनाओं पर लगाम लगाया जा सकें।

मझवारी का जमीन विवाद, एक पक्ष ने दर्ज कराया एफआईआर

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी गांव में वर्षों से चल रहा जमीन का विवाद सोमवार को एक बार फिर हिंसा में बदल गया। खेत की हल्की-सी जुताई को लेकर शुरू हुई तकरार देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने तक पहुंच गई। मंगलवार की सुबह एक पक्ष के रामाकांत सिंह ने छह लोगों को नामजद करते हुए थाने में आवेदन दिया है। जानकारी के अनुसार रामाकांत सिंह अपने खेत में गेहूं की बोआई कर चुके थे। आरोप है कि इसी खेत में प्रतिपक्ष द्वारा दोबारा जोताई कराई जा रही थी। विरोध करने पर दोनों ओर से विवाद भड़क गया और मारपीट शुरू हो गई। अचानक हुई इस झड़प में कुल 14 लोग घायल हो गए, जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

रामाकांत पक्ष से रामाकांत सिंह, धनमुनिया देवी, शिवशंकर सिंह, दुर्गावती देवी और चंदन सिंह घायल बताए गए हैं। वहीं प्रतिपक्ष से नंदनी कुमारी, राजकुमार, दयाशंकर कुशवाहा, अनीता देवी, सुनील कुमार कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, रवि कुमार, सीमा देवी और खुशबू कुमारी को चोटें आई हैं।

घटना के बाद जहां रामाकांत पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज करा दी है, वहीं दूसरे पक्ष ने अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी है, लेकिन वे भी विरोधी पक्ष पर ही हमले का आरोप लगा रहे हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष ब्रजेश सिंह ने बताया कि मामले की एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इससे पहले भी इसी भूमि विवाद से जुड़े तीन मामले थाना में दर्ज हो चुके हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की पड़ताल कर रही है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

महादलित बस्ती की बदहाली उजागर, विधायक के निरीक्षण से अधिकारियों में मची हलचल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के सफखाना रोड स्थित महादलित बस्ती की जमीनी हकीकत मंगलवार को उस समय सामने आई, जब विधायक राहुल कुमार सिंह अचानक निरीक्षण के लिए पहुंचे। वर्षों से बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे लोगों ने विधायक के सामने अपनी पीड़ा बेझिझक रखी। बस्तीवासियों ने बताया कि अनियमित पेयजल आपूर्ति के कारण रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो जाता है। वहीं नालियों की बदहाल स्थिति, जलजमाव, कूड़े-कचरे का अंबार और टूटी पड़ी स्ट्रीट लाइटें उनकी परेशानियों में इजाफा कर रही हैं।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद एसडीएम राकेश कुमार, नगर परिषद ईओ राहुल धर दुबे, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय समेत संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महादलित बस्ती को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पेयजल आपूर्ति को नियमित करने, नालियों की सफाई अभियान तेज करने तथा खराब स्ट्रीट लाइटों को बदलने का आदेश दिया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कदम उठाए जाएंगे। विधायक के अचानक निरीक्षण और सख्त निदेर्शों से बस्तीवासियों में नई उम्मीद जगी है कि अब लंबे समय से उपेक्षित समस्याओं का समाधान शीघ्र होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन तय समय सीमा में कार्य पूरा कर दे, तो बस्ती की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

नंदन में लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के नंदन गांव के वार्ड नंबर-07 में मंगलवार को लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं तथा ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की हिंसा, प्रताड़ना और अधिकार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना था। इसमें वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जाने वाली सेवाओं, सहायता और सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी महिला केंद्र प्रशासक बंटी देवी द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बंटी देवी ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहायता और अस्थायी आश्रय जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, दहेज प्रताड़ना और लिंग भेद जैसे मामलों में महिलाएं सीधे वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा पुलिस सहायता नंबर 112 के उपयोग और महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उइसके साथ ही ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेनह्व और बाल विवाह रोकथाम से जुड़ी सरकारी योजनाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई। बंटी देवी ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तभी संभव है, जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति को कानूनी प्रावधानों और उपलब्ध सरकारी सेवाओं की जानकारी हो। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को लिंग आधारित हिंसा की पहचान, इसके दुष्परिणाम, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा त्वरित सहायता के लिए उपलब्ध साधनों के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही हिंसा रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। इसमें जितेंद्र यादव, मुकेश कुमार, रामजी यादव (मुखिया), राम आशीष सिंह (वार्ड सदस्य) सहित आंगनबाड़ी सेविका और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

ठंड में मौसमी बीमारियां बढ़ी, अनुमंडल अस्पताल में पहुंचे रहे ज्यादा से ज्यादा मरीज

केटी न्यूज/डुमरांव

बढ़ती ठंड व सर्द हवाओं के कारण मौसम में हुए परिवर्तन से आम से लेकर खास सभी प्रभवित हैं। वातावरण का तापमान कम रहने के कारण सरकारी अस्पताल से लेकर निजी नर्सिंग होम व क्लीनिकों में ठंड में होने वाली बीमारियां जैसे सर्दी, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, सर दर्द, बदन दर्द, ज्वाइंट दर्द, स्कीन, गले में खरास, टांसिल जोड़ों का दर्द, हार्ट अटैक, डायरिया आदि के मरीजों की सख्या में इजाफा होने लगा है। उच्च रक्तचाप वाले मरीजों का हार्ट अटैक ब्रेन हेमरेज होने का खतरा बढ़ गया है। मंगलवार को अनुमंडल अस्पताल के ओपीडी में पहुंचने वालों में मरीजों में सबसे अधिक सर्दी, खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, ज्वाइंट दर्द के मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने लगी है। अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टर सुमित सौरभ ने बताया कि बफीर्ली ठंड बढ़ने से सर्दी, खांसी, बुखार व सांस में तकलीफ के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस मौसम में सांस संबंधी बीमारियां व एलर्जी व स्कीन की समस्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में लोगों को कुछ सामान्य एहतियात बरतने की जरूरत है। इस मौसम में गर्भवती, बूढ़े और बच्चों को खास परहेज बरतने की जरूरी है। घर से निकलते वक्त शरीर को पूरी तरह ढक कर ही निकले। महिला डॉक्टर प्रेमा कुमारी ने बताया कि गर्भावस्था में महिलाओं को सर्दी के मौसम में परेशानी होती है। विशेषज्ञ महिला चिकित्सक से सलाह लेने के बाद ही दवाई लेनी चाहिए। सर्दी से संक्रमित मरीजों से दूर रहने, अपने भोजन में विटामीन सी, विटामीन सी, विटामीन डी और जिसमें भरपूर पोषक तत्व को अपने डाइट में शामिल करने की अपील की है। हमारा शरीर एक निश्चित तापमान में काम करने का आदि होता है अगर इस तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट आ जाए तो हमारे शरीर के अंगों की कार्य क्षमता बुरी कदर प्रभावित होती है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

गर्भवती महिलाओं के लिए बड़ी सौगात : अब गांव-शहर के नजदीक ही मिलेगा एएनसी जांच का पूरा पैकेज

- **बक्सर जिले में 12 नई एएनसी साइटों पर शुरू हुई सेवा, जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और सुरक्षित प्रसव पर रहेगा विशेष फोकस**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा काफी बढ़ा दिया गया है। अब एएनसी (एंटीनाटल केयर) जांच के लिए दूर-दराज स्थित सदर अस्पताल या अनुमंडल अस्पताल तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकारी प्रयासों के तहत पहली बार पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र), एपीएचसी (अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) और यूपीएचसी (अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) को भी नियमित प्रसव पूर्व जांच के लिए अधिकृत किया गया है। यह कदम जिले में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत पूरे बिहार में 568 नई साइटें चिह्नित की गई हैं। इनमें से 12 बक्सर जिले को आवंटित हुई हैं। इन साइटों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती से ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को अब समय पर और नजदीक में ही प्रसव पूर्व जांच का लाभ मिलेगा।

डुमरांव प्रखंड क्षेत्र में पुराना भोजपुर स्थित यूपीएचसी और अमथुआ एपीएचसी को भी इस सूची में शामिल किया गया है। मंगलवार को पुराना भोजपुर यूपीएचसी में जांच की शुरूआत होते ही बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं पहुंचीं। मेडिकल ऑफिसर डॉ. सेतु सिंह, जिला प्रबंधक (पिरामल फाउंडेशन) अजितेश कुमार, स्टाफ नर्स रविकांत सिंह, एएनएम वीणा कुमारी और अर्चना कुमारी ने मौके पर उपस्थित रहकर सभी महिलाओं की जांच सुनिश्चित की।

पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक अजितेश कुमार ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत हर महीने तीन चरणों में जांच होगीकृ9 तारीख को सामान्य गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, 21 तारीख को अत्यंत जोखिम वाली महिलाओं की विशेष जांच और 15 तारीख को सलाह एवं फॉलो-अप शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में वजन, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, अल्ट्रासाउंड सहित सभी जरूरी परीक्षणों की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं की पहचान करना है जो उच्च जोखिम वाली श्रेणी में आती हैं, ताकि समय पर उपचार और रेफरल देकर जटिलताओं से बचा जा सके। अत्यंत जोखिम वाले मामलों को अनुमंडल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के लिए भेजा जाएगा, जहां सप्ताह के छह दिन यानी सोमवार से शनिवार तक नियमित रूप से जांच उपलब्ध रहेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं ने नई साइटों के शुरू होने पर संतोष जताया। उनका कहना था कि पहले समय और दूरी के कारण जांच छूट जाती थी, लेकिन अब गांव के पास ही यह सुविधा मिलने से परेशानी कम हो गई है।

नई साइटों के संचालन से उम्मीद है कि जिले में प्रसव पूर्व जांच की दर बढ़ेगी, जटिल गर्भावस्था के मामलों की पहचान समय पर हो सकेगी और अंततः सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। बक्सर जिला स्वास्थ्य समिति इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रही है ताकि सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए और सभी महिलाओं तक इसका लाभ पहुंच सके।

एक नजर

खरहाटांड़ में छत की सीढ़ी को लेकर शुरू हुआ विवाद, दो पक्षों में लाठी-डंडे से भिड़ंत

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के खरहाटांड़ के डेरा गांव में मामूली विवाद ने अचानक बड़ा रूप ले लिया। छत पर धान बटोरने के दौरान हुई एक छोटी-सी कहासुनी देखते ही देखते दो पक्षों के बीच भिड़ंत में बदल गई, जिसमें दोनों ओर से कई लोग जख्मी हो गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने का आरोप लगाते हुए थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पहले पक्ष की महिला का आरोप है कि वह धान समेटकर लोहे की सीढ़ी से नीचे उतर रही थी, तभी दूसरे पक्ष की महिला ने अचानक सीढ़ी हटा दी, जिससे वह गिरकर घायल हो गई। गिराने की वजह पूछने पर दूसरे पक्ष के लोग एकजुट होकर लाठी-डंडे से हमला कर दिए। पीड़िता के बयान पर हरेंद्र यादव, भोला यादव समेत दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उधर, दूसरे पक्ष के भोला नाथ यादव ने पलटकर आरोप लगाया कि वे अपने परिवार के साथ घर पर थे, तभी विरोधी पक्ष के लोग अचानक घर में घुस आए और लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। उसके बयान के आधार पर अप्पू कुमार, विष्णु यादव, ब्रह्मपुर निवासी समेत कुल सात लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है। छत की सीढ़ी हटाने जैसे सामान्य विवाद से शुरू हुआ मामला अब दोहरी प्राथमिकी और आपसी तनाव का कारण बन गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नगर परिषद के अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विधायक राहुल सिंह ने की समीक्षात्मक बैठक

- **बैठक में फूटा आक्रोश, सड़क, नाला और डंपिंग की अव्यवस्था पर विधायक राहुल सिंह हुए सख्त**
- **एनएच-120 निर्माण, नाला जाम, काव नदी की दुर्दशा और पेयजल संकट पर अधिकारियों को कड़े निर्देश**

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद डुमरांव के कार्यालय परिसर में स्थानीय विधायक राहुल सिंह ने मंगलवार को एक समीक्षात्मक बैठक की। इस बैठक में शहर की ज्वलंत मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई। फिर जो गड़बड़ी पायी गई, उसे सही करने के दिशा-निर्देश दिये गए। इस बैठक में एसडीएम राकेश कुमार, डीएसपी पोलस्त कुमार, नप ईओ राहुधर दूबे, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय सहित नप के सभी अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही एनएच-120 के अभियंता, वार्ड पार्षद और स्थानीय लोगों ने भी अपनी भागीदारी निभाई। बैठक में शहर की सड़क, नाला, सफाई व्यवस्था से लेकर डंपिंग यार्ड और काव नदी की स्थिति पर गंभीर चर्चा हुई।

खराब सड़कों पर विधायक का गुस्सा, बोले ह्लविजिलेंस जांच हो

विधायक ने बैठक में जो तेवर दिखाया उसे देख सभी स्तब्ध रह गए। उन्होंने साफ लहजे में कहा की हमने शहर के चार प्रमुख सड़कों का निरीक्षण किया। सबसे गंभीर मामला नया थाना से शक्ति द्वार तक पीसीसी सड़क निर्माण का निकला, जो मुख्यमंत्री शहरी समग्र योजना के तहत बनी है। विधायक ने कहा कि यह कैसी सड़क है, बनते ही एक तरफ बन रही तो दूसरी तरफ टूट रही है। इसकी विजिलेंस जांच कराई जाए। उन्होंने छठिया पोखर, बाबा नगर वार्ड-11 और दो अन्य सड़कों की गुणवत्ता की भी जांच करने का निर्देश दिया। जांच कराने का आदेश देते ही संवेदकों की परेशानी बढ़ जाने की उम्मीद है।

एनएच-120 निर्माण पर ठप काम पर चली बहस

बैठक की शुरूआत एनएच-120 के रुके पड़े मरम्मत कार्य से हुई। एनएच विभाग के कार्यपालक अभियंता व जेई ने बताया कि निर्माण में बाधा के कारण काम अटका है। इस पर विधायक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क शहर की मुख्य धुरी है, इसलिए किसी भी हालत में निर्माण में तेजी लाई जाए। इस पर स्थानीय लोगों ने भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई। जिस पर एसडीएम व विधायक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्थाई नाला निर्माण होने तक कलवट को नहीं खोला जाएगा, ताकि शहर में जलजमाव की समस्या न बढ़े। खिरौली के लोगों ने बैठक में ही इस प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार किया।

ड्रेनेज की दुर्दशा पर जमकर हुई चर्चा, एक सप्ताह में सफाई दुरूस्त करने का मिला आदेश

शहर की सबसे बड़ी समस्या स्टेशन रोड में नाला का समुचित व्यवस्था नहीं होना बताया गया। विदित हो नया थाना से लेकर पश्चिमी रेलवे गुमटी तक नाला अस्तित्व में है ही नहीं। जो रोड का कटिंग है, उसे भर जमीन का अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे पानी निकास अवरूद्ध हो गया है। विधायक ने कहा की पहले नाला पर अतिक्रमण हटाते हुए वास्तविक स्वरूप में लाया जाए, जिससे जलजमाव की स्थिति नहीं हो और पानी का बहाव सुनिश्चित हो सके। खिरौली निवासी मदन चौबे ने बताया कि टिकट काउंटर के पास नाला पूरी तरह जाम है, जिसकी वजह से हर बारिश में सड़क नदी में तब्दील हो जाती है। इस सवाल पर विधायक राहुल सिंह ने ईओ को एक सप्ताह के अंदर पूरे शहर के नालों की सफाई का अल्टीमेटम दिया और कहा कि किसी भी वार्ड में जलजमाव की शिकायत नहीं आनी चाहिए।

मुख्य मार्गों पर कहीं भी कचरा नहीं दिखना चाहिए

स्वच्छता व्यवस्था पर भी विधायक ने तल्ख रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि शहर के मुख्य चौक-चौराहों पर कहीं भी कूड़ा दिखाई नहीं देना चाहिए। डंपिंग यार्ड को लेकर हुई चर्चा में स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया कि नगर परिषद के पास स्थाई डंपिंग यार्ड नहीं है। एसडीएम ने जानकारी दी कि रेहिया में चयनित स्थल पर कुछ समय पहले कचरा डंप हुआ था, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद उसे रोकना पड़ा। इस पर विधायक ने वरीय अधिकारियों को तुरंत स्थाई डंपिंग स्थल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एनजीटी गाइडलाइन की खुली अवहेलना

बैठक के बाद विधायक सीधे शहर के ड्रेनेज सिस्टम का जमीन पर निरीक्षण करने पहुंचे, फिर कांव नदी का निरीक्षण किया, जहां नदी किनारे फैले कचरे और प्रदूषण को देखकर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा की यहां तो एनजीटी गाइडलाइन की खुली उल्लंघन की गई है। इस पर ईओ ने बताया ईओ ने बताया कि लिगेसी वेस्ट के माध्यम से पुराना कचरा हटाने का सर्वे पूरा हो चुका है और जल्द ही सफाई शुरू होगी। नगर के वार्ड 22 के महादलित टोला में पेयजल समस्या से जूझ रहे लोगों को 48 घंटे में पानी बहाल करने का निर्देश विधायक ने दिया। वहीं उन्होंने वहां सामुदायिक शौचालय निर्माण की भी बात दोहराई। शहर के अन्य सामुदायिक शौचालयों की बदहाली पर भी उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन्हें तुरंत सुचारू हालत में लाया जाए। करीब दो घंटे चली इस बैठक और स्थल निरीक्षण में विधायक राहुल सिंह ने साफ कहा कि डुमरांव की हर समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से होना चाहिए, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क, नाला, सफाई, डंपिंग, नदी और पेयजल सहित शहर की लगभग हर प्रमुख समस्या पर दिए गए समय-सीमा वाले निर्देश डुमरांव में बेहतर बदलाव की उम्मीद जगाते हैं।

प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप, उपमुख्य पार्षद ने किया विधायक की बैठक का बहिष्कार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक के दौरान प्रोटोकॉल को लेकर विवाद खड़ा हो गया। उपमुख्य पार्षद विकास ठाकुर ने बैठक का बहिष्कार करते हुए बाहर निकलकर कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में स्थानीय विधायक राहुल कुमार सिंह के साथ आए लोगों ने सभागार की आगे की पंक्ति की सीटों पर कब्जा जमा लिया था। आरोप है कि प्रोटोकॉल के अनुसार उपमुख्य पार्षद को आगे की पंक्ति में स्थान मिलना चाहिए था, लेकिन उन्हें सभागार के किनारे प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठाया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया।

उपमुख्य पार्षद ने कहा कि उन्हें इस बैठक की पहले से जानकारी तक नहीं दी गई थी, सुबह की तरह वे नियमित रूप से कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन देखा कि सभाकक्ष में विधायक समर्थकों को प्रमुख सीटें दी गई थीं, जबकि निर्वाचित प्रतिनिधियों को पीछे बैठाया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक न्याय की अवहेलना बताया।

घटना के बाद नगर परिषद परिसर में चर्चा का माहौल गर्म हो गया। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के बीच इस मुद्दे को लेकर नाराजगी देखी गई। अधिकारियों ने मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, जबकि उपमुख्य पार्षद ने प्रोटोकॉल सम्मान की मांग को मुद्दा बनाते हुए आगे भी आवाज उठाने की बात कही है।

मध्य विद्यालय बासुदेव अतिमी में नई चेतना अभियान का शुभारंभ, लैंगिक भेदभाव मिटाने का संकल्प

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के मध्य विद्यालय बासुदेवा अतिमी में मंगलवार को नई चेतना अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक जीविका, मुखिया अतिमी और संकुल संघ की दीदी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्साह और जागरूकता के माहौल से भर उठा। अभियान के तहत छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली, सुई-धागा, जलेबी बनाने और शॉप-सीढ़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने

उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी में चयनित कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उन्हें आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी गईं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में फैले लैंगिक भेदभाव को समाप्त कर सकारात्मक सोच और समानता को बढ़ावा देना था। अतिथियों ने कहा कि लैंगिक भेदभाव की समाप्ति से समाज में व्याप्त कई कुप्रथाओं, जैसे भ्रूण हत्या, बाल विवाह और दहेज प्रथा, को समाप्त किया जा सकता है। नई चेतना अभियान इसी दिशा में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक अमजद हुसैन, सामुदायिक समन्वयक मधु कुमारी केसरी, डाक समन्वयक दुर्गा, सक्षमा दीदी, जीविका दीदी के साथ-साथ बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

डुमरांव की जर्जर मुख्य सड़क पर आखिरकार तेजी, वर्षों की उपेक्षा के बाद प्रशासन हरकत में

- **विधायक के दबाव के 24 घंटे भीतर एनएचएआई ने शुरू की नापी, 1.30 करोड़ की परियोजना फिर पटरी पर**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर की वह मुख्य सड़क, जिसकी जर्जर हालत पर वर्षों से लोग परेशान थे और आवाज उठाते-उठाते थक चुके थे, अब आखिरकार सुधार की दिशा में आगे बढ़ती नजर आ रही है। लंबे समय से केवल आश्वासनों तक सीमित रहा जीर्णोद्धार कार्य चुनाव के बाद नई रफ़्तार पकड़ता दिख रहा है। प्रशासन की लापरवाही और विभागीय देरी के कारण यह सड़क राजनीतिक और जनहित दोनों ही स्तरों पर बहस का मुद्दा बनी हुई थी, मगर अब हालात बदलते नजर आ

रहे हैं। सोमवार को डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ जर्जर सड़क का पैदल निरीक्षण किया। सड़क की टूट-फूट, गड्ढों और धूलभरी स्थिति को देखते हुए विधायक ने मौके पर ही विभागीय मशीनरी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बताया जाता है कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट चेताया कि जनता की परेशानी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विभाग को हर हाल में काम को गति देनी होगी। विधायक के इस सक्रिय हस्तक्षेप का असर केवल 24 घंटों के भीतर दिख गया। मंगलवार की दोपहर 1 बजे एनएचएआई की टीम सड़क सुधार की दिशा में मैदान में उतर गई और नापी का कार्य शुरू कर दिया। वर्षों से सुस्त पड़े विभागीय रवैये के बीच अचानक आई यह तेजी लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आई है। मंगलवार को एनएचएआई के एक्सक्यूटिव ऑफिसर मनोज कुमार, कनीय अभियंता संजय कुमार और संवेदक सुरेश सिंह मौके पर पहुंचे। टीम ने मां डुमरेजनी प्रवेश द्वार से लेकर पुराना भोजपुर तक पूरे सड़क मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सड़क की बदतर स्थिति को स्वीकार करते हुए कहा कि अब देरी नहीं होगी और जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा ताकि लोगों को सालों से हो रही परेशानी से राहत मिले। गौरतलब है कि इस मुख्य सड़क के जीर्णोद्धार के लिए 1.30 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर सितंबर माह में जारी किया गया था। लेकिन तकनीकी प्रक्रियाओं और विभागीय धीमी गति के कारण काम शुरू नहीं हो सका था। चुनाव के बाद यह मुद्दा एक बार फिर प्रमुखता से सामने आया और लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती गई। अब जब एनएचएआई ने मौके पर नापी शुरू कर दी है, उम्मीद जताई जा रही है कि यह बहुप्रतीक्षित परियोजना पटरी पर लौट आएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी गति से काम आगे बढ़ा तो शहर की सबसे महत्वपूर्ण सड़क जल्द ही नई शक्ल में दिखेगी। बाजार जाने वाले लोगों, स्कूली बच्चों, मरीजों और रोजाना आवाजाही करने वालों के लिए यह सड़क जीवनरेखा की तरह है। इसकी दुर्दशा ने न केवल यातायात को प्रभावित किया, बल्कि कई दुर्घटनाएं और परेशानियां भी बढ़ा दी थीं।

स्वास्थ्य केंद्रों में जीवन सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर डुमरांव अग्निशमन टीम ने लिया जायजा

केटी न्यूज/डुमरांव

अग्नि सुरक्षा को लेकर सरकारी संस्थानों की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार यादव के निदेर्शानुसार अनुमंडल अग्निशमालय डुमरांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा अंकेक्षण एवं मॉकड्रिल का विस्तृत आयोजन किया गया। यह अभियान अनुमंडल अग्निशमालय पदाधिकारी शिखा कुमारी के कुशल नेतृत्व में चलाया गया। टीम में अग्निक चालक संजू कुमार, अग्निक मणि

भूषण, और अग्निक अंकित कुमार शामिल रहे। इस विशेष पहल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों का आकलन करना और अग्नि सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग को सुनिश्चित करना था। अग्निशमन विभाग की टीम ने अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रह्मपुर, और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिमरी सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, टीम ने इन संवेदनशील परिसरों में स्थापित अग्नि सुरक्षा उपकरणों, जैसे अग्निशामक यंत्रों और निकासी मार्गों की कार्यक्षमता की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान, टीम ने पाया कि कई स्वास्थ्य केंद्रों में अग्नि सुरक्षा संबंधी उपकरणों के रखरखाव और उपलब्धता में कुछ कमियां मौजूद थीं। अनुमंडल अग्निशमालय पदाधिकारी शिखा कुमारी ने अस्पताल प्रबंधन को इन कमियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्हें अविलंब ठीक कराने और राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। कमियों को इंगित करने के साथ-साथ, टीम ने अस्पताल के कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी मॉकड्रिल का भी आयोजन किया। इस दौरान कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने, अग्निशमन उपकरणों का सही इस्तेमाल करने तथा मरीजों और सहकर्मियों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से, अग्निशमन दल ने आग से जुड़ी सावधानियों और रोकथाम के उपायों से संबंधित पम्पलेट भी वितरित किए। विभाग का मानना है कि सही समय पर मिली जानकारी और प्रशिक्षण से किसी भी अप्रिय घटना के दौरान जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

चौसा आरओबी के अधूरे संपर्क पथ के निर्माण की आस अधूरी

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा रेलवे स्टेशन के समीप बन रहा रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का संपर्क पथ के निर्माण पूरा होने की लोगों की आस खत्म होने का नाम नही ले रही हालांकि, निर्माण कार्य तो चल रहा मगर, कछुवे की चाल से, आते-जाते यात्रीयों की बरबस ही मुंह से निकल रहा कि आखिर कब पूरा संपर्क पथ का निर्माण या कब इस रेल गेट बन्दी से लोगों को छुटकारा मिलेगा, जबकि, पदाधिकारियों का कहना है कि बहुत जल्द संपर्क पथ निर्माण कर लोगों के हवाले कर दिया जाएगा।

बता दें कि चौसा आरओबी का निर्माण कार्य वर्ष 2015 में शुरू किया गया। चार करोड़ की लागत रेल विभाग द्वारा दोनो पटरियों पर आरओबी का निर्माण वर्ष 2018 में पूरा किया गया। लेकिन दोनों तरफ का संपर्क मार्ग अधूरा रह जाने से इसका उपयोग अब तक संभव नहीं हो सका है। इससे न सिर्फ यात्रियों को असुविधा हो रही थी, बल्कि स्थानीय लोगों को भी रेलवे फाटक पर लंबा जाम झेलना पड़ रहा था। बरसात में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब कच्चा रास्ता कीचड़ और गड्ढों से भर जाता है।

जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने कई बार इस अधूरी परियोजना को लेकर आवाज उठाई थी। तब वर्ष 2022 में बकायदा सम्पर्क पथ के निर्माण के लिए भूमि पूजन के साथ शिल्यन्यास किया गया। जबकि इसका निर्माण कार्य एक वर्ष पूरा कर लेने तय समय सीमा दी गई। तय समय सीमा को बीते लगभग दो वर्ष बीतने को है। इस सबन्ध में पुल निर्माण विभाग के पदाधिकारियों द्वारा सितम्बर 2025 में निर्माण पूरा करने का आश्वासन दिया गया था।

सोखता निर्माण और शौचालय जांच को लेकर बीडीओ ने की बैठक

- **घरों में नवनिर्मित शौचालय की जांच कर जल्द भुगतान का निर्देश**

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड अंतर्गत आवश्यकता वाले स्थलों पर सोखता निर्माण कराने एवं पूर्व निर्मित सोखता तथा शौचालयों की जांच हेतु मंगलवार को प्रखंड विकास पदधकारी रविराज ने बैठक की। मौके पर मौजूद लोहिया स्वच्छता मिशन प्रखंड कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार समेत अन्य कर्मियों के साथ विचार करते हुए सभी गांव एवं चौक चाराहे पर गंदगी तथा साफ-सफाई के सम्बन्ध में जानकारी लिया। बीडीओ ने बताया कि शौचालय राशि भुगतान के लिए जिन आवेदकों द्वारा कार्यालय को आवेदन उपलब्ध कराया गया है। उनके शौचालय के जांच करके जल्द भुगतान सुनिश्चित किया जाए. चुनाव से पूर्व शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना संबंधित कार्यालय को प्राप्त आवेदनों की जांच की गति तेज करते हुए एक महीने में रिपोर्ट आवास सहायक की संयुक्त टीम रिपोर्ट प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि जिन जगहों पर पूर्व में स्वच्छता सोखता का निर्माण हुआ है.उसकी अधतन स्थिति की जांच किया जाए.जिन स्थलों पर आवश्यक हो वहां नया सोखता निर्माण की प्रक्रिया को क्रियान्वित किया जाए.लोहिया स्वच्छता मिशन अंतर्गत गांव में चल रहे साफ सफाई को और बेहतर किया जाए। जिन लाभुकों को शौचालय राशि का भुगतान हो गया है,उनके शौचालयों की पुनः जांच किया जाए।

साथ ही कई अन्य विकास संबंधित अन्य योजनाओं को लेकर बैठक के दौरान चर्चा किया गया मौके पर पंचायत सचिव विकास कुमार अमित कुमार अंकित कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

टैक्स देने के बाद लोगों ने योजनाओं की मांगी सुविधाएं

पहल : नगर पंचायत में सीसीटीवी कैमरा लगने से आपराध पर लगेगा लगाम

केटी न्यूज/नवादा/रजौली

नवसृजित नगर पंचायत को बने तीन वर्ष हो चुके हैं।नगर पंचायत बनने के बाद गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर को साफ-सफाई के साथ लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।नगरवासियों द्वारा होल्डिंग टैक्स,ट्रेडिंग टैक्स,होर्डिंग टैक्स,भवन निर्माण टैक्स समेत कई प्रकार के टैक्स जमा किया जा रहा है।इसके बावजूद नगर क्षेत्र में बाइक चोरी और गृहभेदन से नगरवासी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।हालांकि घटनाओं के बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान भी करती है,किंतु साक्ष्यों के संकलन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।यदि नगर पंचायत क्षेत्र के चौक-चौराहों पर सीसीटीवी लगा रहे,तो पुलिस-प्रशासन को भी अपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी।वहीं रजौली नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की उदासीन रवैए से सीसीटीवी नहीं लग सका है,जबकि बोर्ड द्वारा सीसीटीवी लगाने का प्रस्ताव पारित हो चुका है।मिली जानकारी के अनुसार अन्य नगर निकाय क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाया जा चुका है,किंतु रजौली में सीसीटीवी कब लगेगा यह भविष्य के गर्त में है।

बाइक चोरी के हॉट स्पॉट

नगर पंचायत स्थित अनुमंडलीय अस्पताल,प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर,रजौली इंटर विद्यालय व बीआरसी भवन समेत विभिन्न बैंकों के बाहर खड़ी बाइकों की अंधाधुंध चोरी अज्ञात चोरों द्वारा की जा चुकी है।पुलिस भी प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान में जुटी हुई है,इनमें से कुछ मामलों का उद्भेदन भी हुआ है और बहुत सारे चोरी के मामले लंबित भी हैं।

क्या कहते नगरवासी

नगर पंचायत स्थित पुरानी बस स्टैंड के डॉ. के. के. चौधरी ने बताया कि बीते कई माह पूर्व प्राणचक मोड़ के समीप एक बिहार दारोगा के बंद घर से हुई लगभग एक करोड़ रुपए के जेवरातों की चोरी होने पर आज तक नहीं हो पाया है।साथ ही कहा कि उनके क्लिनिक के बगल में स्टेट बैंक में कई बाइकों की चोरी जैसी घटनाएं घटित होते रहती है।बैंक में ग्राहक 10 से 20 हजार रुपए निकालने आता है और लाख रुपयों की बाइक गवां बैठता है।वहीं बभनटोली निवासी सुरेन्द्र कुमार गोलू ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में सीसीटीवी लगने से अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगेगा और पुलिस को भी साक्ष्य संकलन में सुविधा मिलेगी।उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन से जल्द से जल्द सीसीटीवी लगाने की मांग की है।

क्या कहते हैं पदाधिकारी

इस संबंध में प्रभारी नगर पंचायत पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है।उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में वित्त उपलब्ध होने पर जल्द ही नगर पंचायत क्षेत्र सीसीटीवी से लैस होगा।

खुलासा : वर्चस्व की लड़ाई के विवाद में अखिलेश राय की हुई थी हत्या

हत्याकांड के मुख्य आरोपी के रूप में जियूत राय का मुख्य नाम शामिल

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के बरूना गांव में वर्चस्व की लड़ाई में अखिलेश राय की हत्या की गई है। मृतक एक पक्ष के जियूत राय की हत्या का मुख्य अभियुक्त थे। जियूत राय की हत्या वर्ष 2018 में गोली मारकर कर दी गई थी। अखिलेश राय की हत्या को लेकर उनकी पत्नी के बयान पर बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि वह अपने पति अखिलेश राय एवं अपने बेटे नैतिक राज के साथ ऑटो रिजर्व करके सामान लाने बिक्रमगंज गये थे। सामान खरीदकर समय करीब 03:00 बजे बिक्रमगंज से घर के लिए चले। समय करीब पौने चार बजे शाम में गाँव वाले मोड़ से आगे बढ़े तो देखे की रोड के दाहिने तरफ चार व्यक्ति हथियार लेकर खड़े थे, नजदीक जाते अंकित राय, निरज राय दोनो पिता स्व. जितेन्द्र राय, भोले शंकर राय पिता नन्हक राय, रजनीश राय पिता त्रिभुवन राय हथियार से अचानक गोली चलाते हुए ऑटो रोकने को बोले तो ऑटो वाला डर से रोक दिया तो चारों मिलकर मेरे पति को जबरदस्ती बाहर खिच लिया, अंकित और निरज दो गोली उसके सिर पर पीछे से मार दिया तथा छोड़ा तो वे भागे तो पीछे से रजनीश और भोले शंकर गोली चलाया तथा मेरा पति थोड़ा आगे लड़खड़ाते हुए भागे तो गाँव की ओर से नन्हक राय पिता स्व. जय मुनी राय, त्रिभुवन राय पिता स्व. गोविन्द राय, बिरेन्द्र राय पिता घनश्याम राय, अभय राय पिता जगरनाथ राय, प्रिंस राय स्व० जितेन्द्र राय दौड़ते हुए मेरे पति पर फायरिंग करने लगे। जिससे गोली लगने से मेरे पति वहीं रोड के किनारे गिर गये, गोली के आवाज पर गाँव की तरफ से और लोग आने लगे तो सभी फायरिंग करते हुए भाग गये। इसी बीच अंकित की माँ संगिता कुंवर पति स्व. जितेन्द्र राय, ग्राम बरूपा आयी और मेरे मेरे पति को देखकर बोली दुश्मन मर गया। उसके बाद उनलोगों के समर्थन में कुछ और लोग भी थे जिनको में नाम नहीं जानते हैं। उसके बाद में बदहवाश अवस्था में किसी तरह घर आयी, सास व अन्य लोगों को बतायी। फिर आपलोगों के आने के बाद अपने पति के शव के पास आयी तो देखी उनके सिर के पिछले भाग में दो गोली, दाहिने कमर के पास गोली, तथा पलटने पर कंधे पर गोली लगी है। मेरे पति मर चुके थे। घटना का कारण यह है कि मेरे पति के परिवार का नन्हक राय के राय के पूरे परिवार से वर्चस्व का विवाद चल रहा है, उसी को लेकर हत्या की गई है।

सख्ती : अवैध बिजली चोरी करने वालों की अब खैर नहीं, तीन लोगों पर प्राथमिकी

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल क्षेत्र के दिनारा प्रखंड के नटवार थाना अंतर्गत बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का जांच कनीय विद्युत अभियंता दिनारा के नेतृत्व मे किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर अरिला रघुनाथपुर निवासी सविंदा देवी पर 21320 रुपए, विनोद कुमार तांती पर 47630 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। दोनों लोगों के परिसर मे मीटर भी अधिष्ठापित नही था। आगे बता दें की मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर सराँव निवासी लक्ष्मण चौधरी पर 114393 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन

अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा विकाश कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें एवं जो व्यक्ति घरेलु,व्यवसायिक, ई-रिक्शा चार्ज, कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

राजपुर। थाना क्षेत्र के बरना गांव में विगत रविवार को रुपया चोरी मामले को लेकर दो पक्षों के बीच हुए मारपीट किये जाने का मामला प्रकाश में आया है.जिस पर पुलिस ने घटना के अभियुक्त दिलीप कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार ने बताया कि गांव के सुखदेव महतो एवं भुअर महतो के बीच विवाद हुआ था। भुअर महतो ने सुखदेव के नाती दिलिप पर पैसा चोरी करने का आरोप लगते हुए पूछताछ किया.जिस पर दिलिप सहित अन्य द्वारा मारपीट कर भुअर को बुरी तरह जख्मी कर दिया गया है। मामले के अभियुक्त को गिरफ्तार करके न्यायालय को सुपुर्द करते हुए जेल भेज दिया गया।

सड़क हादसा में तीन नर्तकियों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल

काराकाट । काराकाट थाना क्षेत्र के करूप मोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गोडारी निवासी मनोज सोनी के 20 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार उर्फ बिल्ला, जो बाइक से तीन नर्तकियों को बैठक थिएटर छोड़ने जा रहा था, एक खराब स्थिति में खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में रोहित की बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रोहित का दाहिना पैर गंभीर रूप से टूट गया है। इस घटना के बाद स्थानीय लोग और प्रशासन ने घायलों को तुरंत पीएससी अस्पताल गोडारी पहुंचाया। गंभीर स्थिति को देखते हुए रोहित को सासाराम के सदर अस्पताल और फिर बनारस रेफर किया गया है। वहीं तीनों नर्तकियों की पहचान छत्तीसगढ़ की करिश्मा कुमारी (23), रागिनी कुमारी और रेशमा कुमारी (दोनों 20 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के कारणों की जांच के लिए पुलिस ने ट्रक और बाइक को जब्त कर लिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने बताया कि अभी तक कोई आवेदन नहीं मिला है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सासाराम रेफर किया गया है।

बाढ़ मुक्ति धाम के पास होटल में हिंसा, खाने को लेकर भिड़े लोग और होटल संचालक

बाढ़। बाढ़ जिले के उमनाथ स्थित मुक्ति धाम के पास सोमवार रात एक होटल में दाह संस्कार के बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में छह लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की पृष्ठभूमि यह है कि अथमलगोला के सरिस्तापुर गांव के एक व्यक्ति की हाल ही में मौत हुई थी। मृतक के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारजन और गांव के अन्य लोग मुक्ति धाम पहुंचे थे। दाह संस्कार के बाद भोजन का इंतजाम पास के ही एक होटल में किया गया। खाने की गुणवत्ता और बिल को लेकर विवाद शुरू हुआ। होटल संचालक ने भोजन का बिल लगभग 3,600 रुपए बताया। खाने की गुणवत्ता ठीक न होने का हवाला देते हुए लोग बिल में कमी करने की बात कहने लगे। इसी बात को लेकर होटल संचालक और स्टाफ के साथ तीखी बहस हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मौके पर लाठी-डंडे और ईंट तक चले, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मारपीट के दौरान कई लोग घायल हुए और उन्हें तुरंत अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। घायलों में पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। घायलों ने बताया कि उनके गांव में किसी की मौत होने पर वे अक्सर इसी होटल में भोजन का इंतजाम करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि होटल संचालक शराब के नशे में था, जिस कारण विवाद हिंसक रूप ले गया। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सरकारी शिक्षकों के लिए बदले छुट्टी के नियम, डीईओ का नया फरमान जारी

पटना। छात्रहित और पाठ्यक्रम को समय पर पूरा कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने अब शिक्षकों की अनावश्यक छुट्टियों पर सख्ती शुरू कर दी है। जिले के डीईओ ने सभी प्राथमिक, मध्य और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व प्रधान शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि एक ही दिन कई शिक्षकों को अवकाश देने की प्रवृत्ति पर तत्काल विराम लगाया जाए। हाल के निरीक्षणों में सामने आई अनियमितताओं के बाद यह कदम उठाया गया है। डीईओ के हस्ताक्षर से जारी आदेश पत्र में कहा गया है कि कई विद्यालयों में एक ही दिन आधे से अधिक शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश दे दिया जा रहा है, जिससे बच्चों के पठन-पाठन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। इससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करवाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यही कारण है कि अवकाश प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं, जिनका पालन करना सभी स्कूल प्रमुखों के लिए अनिवार्य होगा।

क्या हैं आदेश में दिए गए मुख्य निर्देश : सबसे पहले यह स्पष्ट किया गया है कि प्राथमिक विद्यालयों के प्रधान शिक्षक एक दिन में अधिकतम एक शिक्षक को ही विशेष या आकस्मिक अवकाश स्वीकृत कर सकेंगे। वहीं, मध्य और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एक दिन में अधिकतम 10 प्रतिशत शिक्षकों को ही अवकाश दे पाएंगे। यदि किसी विशेष परिस्थिति में इस सीमा से अधिक शिक्षकों को छुट्टी देने की जरूरत हो, तो इसके लिए नियंत्री पदाधिकारी से पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा। बिना अनुमति के किसी भी हाल में अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। निदेशों में यह भी कहा गया है कि सामान्य परिस्थितियों में बिना पूर्व स्वीकृति के अवकाश पर जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल विशेष आकस्मिक स्थितियों में ही मोबाइल या व्हाट्सऐप के माध्यम से सक्षम प्राधिकारी को तत्काल जानकारी देकर अवकाश लिया जा सकेगा, लेकिन औपचारिक स्वीकृति के लिए कम से कम एक दिन पूर्व आवेदन अनिवार्य है।

मुंगेर में सरकारी स्कूलों में सेंट्रल किचन मॉडल से मध्यान्ह भोजन की नई व्यवस्था

एजेंसी/मुंगेर

मुंगेर जिले के जमालपुर शहरी क्षेत्र में शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था में बड़ा सुधार किया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एनजीओ संचालित सेंट्रल किचन मॉडल लागू किया गया है, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और ताजा भोजन उपलब्ध हो रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को मध्यान्ह भोजन की जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्ति मिल गई है। जमालपुर नगर क्षेत्र के 36 सरकारी स्कूलों में गुरुवार से इस नई व्यवस्था को लागू किया गया। प्रतिदिन तय मेन्यू के अनुसार बड़े वाहनों से भोजन सीधे स्कूलों तक पहुँचाया जाता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव ने बताया कि नई व्यवस्था से न केवल भोजन की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि शिक्षक और प्रधानाध्यापक अब पढ़ाई पर पूरी तरह ध्यान दे सकेंगे।

उन्होंने कहा कि बच्चों को पौष्टिक और स्वच्छ भोजन मिलना उनकी शिक्षा के लिए बेहद जरूरी है। सफियाबाद के पास बने इस अत्याधुनिक सेंट्रल किचन प्लांट का संचालन ब्लेसिंग सोसाइटी को सौंपा गया है। संस्था के प्रतिनिधि संजय के अनुसार प्लांट में बड़े स्टीम बेस्ड कुकिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे भोजन पूरी तरह स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक बनता है। संजय ने बताया कि इस प्लांट में एक साथ 40 हजार बच्चों के लिए भोजन बनाने की क्षमता है। फिलहाल लगभग 4200 बच्चों के लिए 36 स्कूलों में भोजन यहीं से सप्लाई किया जा रहा है।जब मीडिया टीम टोली मंडल बालिका विद्यालय पहुँची, तो वहां पढ़ाई कर रही छात्राओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। माही राज ने बताया कि अब उन्हें स्कूल में मिलने वाला खाना बहुत स्वादिष्ट और ताजा लगता है। रागिनी ने कहा कि पहले के मुकाबले अब भोजन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। बच्चों और उनके अभिभावकों ने भी इस नई व्यवस्था को लेकर संतोष जताया और इसे शिक्षा विभाग की एक सकारात्मक पहल बताया।जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव ने आगे कहा कि नई व्यवस्था के तहत हर स्कूल में भोजन समय पर पहुँचाने और उचित तापमान में उपलब्ध कराने का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह मॉडल अन्य जिलों के लिए भी उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है और भविष्य में पूरे जिले में इसे विस्तारित किया जा सकता है। शिक्षकों के अनुसार अब उन्हें मध्यान्ह भोजन की तैयारी और वितरण की जिम्मेदारी नहीं उठानी पड़ रही, जिससे वे बच्चों की पढ़ाई और शैक्षणिक गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। प्रधानाध्यापकों ने भी कहा कि नई व्यवस्था से स्कूल प्रशासन का कार्यभार कम हुआ है और बच्चों को संतोषजनक भोजन मिल रहा है।

पूर्वी चंपारण : बेलगाम पिकअप ने 13 साल की बच्ची को रौंदा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

एजेंसी/मुंगेर

पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। घोड़ासहन रेलवे ढाला रोड पर तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप वाहन ने 13 वर्षीय मासूम बच्ची को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान घोड़ासहन वार्ड नंबर 3, हनुमान नगर निवासी पप्पू धनकार की बेटी गीता कुमारी के रूप में की गई है। घटना दोपहर की है, जब गीता जलावन चुनकर घर वापस लौट रही थी। जैसे ही वह रेलवे ढाला रोड के पास पहुंची, अचानक तेज गति से आ रही पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गीता गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय

लोगों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही घोड़ासहन पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरा हनुमान नगर शोक में डूबा हुआ है। पुलिस ने मौके से पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि हादसे के समय वह नशे में था या लापरवाही से वाहन चला रहा था।

पटना मेट्रो प्रोजेक्ट की देखरेख अब संदीप कुमार के हाथ में, नगर का भी करेंगे विकास

एजेंसी। पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद प्रशासनिक फेरबदल का दौर शुरू हो चुका है। कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 2006 बैच के आईएएस अधिकारी संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी को नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वे अब नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव होंगे और साथ ही उन्हें पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (ढटफ्छछ) का प्रबंध निदेशक (टऊ) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इससे पहले संदीप कुमार लघु जल संसाधन विभाग के सचिव थे और 28 अप्रैल 2025 को उन्हें परिवहन विभाग का सचिव बनाया गया था। इसके साथ ही पथ निर्माण विभाग के सचिव पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई थी। बाद में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से उन्हें जांच आयुक्त का भी अतिरिक्त प्रभार मिला। लेकिन अब नई सरकार के आने के बाद जारी पुनर्व्यवस्था में उन्हें पथ निर्माण विभाग से स्थानांतरित कर नई भूमिका में भेजा गया है। संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी का प्रशासनिक करियर बेहद मजबूत और विविध रहा है। उन्होंने राज्य के कई जिलों में जिलाधिकारी (उट) के रूप में कार्य किया है, जहां उनकी कार्यशैली, कानून-व्यवस्था संभालने की क्षमता और योजनाओं को धरातल पर लागू करने के तरीके की व्यापक सराहना होती रही है। जिलों में उनके कार्यकाल ने उन्हें जमीनी प्रशासन का गहन अनुभव दिया, जिसने आगे की भूमिकाओं में उनकी दक्षता को और मजबूत किया। अब उन्हें नगर विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया गया है, जो राज्य में शहरीकरण से जुड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। यह विभाग शहरों की योजना, आवास नीति, शहरी अवसंरचना, पेयजल, सीवरेज, स्मार्ट सिटी मिशन और अन्य शहरी परियोजनाओं का केंद्र माना जाता है। संदीप कुमार की नियुक्ति को इस क्षेत्र में और तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। नगर विकास विभाग के साथ-साथ उन्हें ढटफ्छछ के टऊ का अतिरिक्त प्रभार भी मिला है। पटना मेट्रो बिहार की राजधानी में चल रही सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी सार्वजनिक परिवहन परियोजना है। यह परियोजना न केवल पटना के ट्रैफिक सिस्टम में सुधार लाएगी बल्कि शहर के विकास को भी एक नई दिशा देगी। मेट्रो प्रोजेक्ट के निर्माण, प्रबंधन और समयबद्ध प्रगति की जिम्मेदारी अब संदीप कुमार के कंधों पर होगी। माना जा रहा है कि उनकी कार्यशैली–जिसमें तेज निर्णय क्षमता, समयबद्धता और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण शामिल है–मेट्रो प्रोजेक्ट को अपेक्षित गति देने में मदद करेगी। बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरणों के साथ यह प्रशासनिक फेरबदल इस संदेश को भी देता है कि सरकार बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं पर विशेष फोकस करने जा रही है। पथ निर्माण विभाग जिसे अब बीजेपी कोटे के मंत्री नितिन नवीन संभाल रहे हैं, वहीं नगर विकास और मेट्रो जैसे विभागों में कुशल अफसरों की तैनाती से स्पष्ट होता है कि आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में तेजी दिख सकती है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 19 प्रस्ताव मंजूर सरकारी कर्मियों का महंगाई भत्ता 5% बढ़ा

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक संपन्न हो गई। इसमें 19 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गई। मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री ने दोनों डिप्टी सीएम और सभी विभागों के मंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक की। सीएम नीतीश कुमार ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वित्त विभाग, मद्य निषेद, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, समाज कल्याण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, गृह विभाग समेत अन्य कई विभागों के प्रस्तावों पर मुहर लगा दी। यह तीन विभाग युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और नगर विमानन विभाग। इसके अलावा सीएम नीतीश कुमार ने बिहार सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का वेतन भी पांच फीसदी का बढ़ाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दे दी है। मुख्य सचिव ने कहा कि इन विभागों के सृजन से राज्य में युवाओं को नौकरी और रोजगार दिलाने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया जी एवं मुंगेर जिला को नागरिक सुरक्षा जिला घोषित करने और उसमें नागरिक सुरक्षा जिला इकाइयों के लिए कुल 14 पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार कार्यपालिका संशोधन नियमावली 2025 और इससे संबंधित अधिसूचना प्रारूप पर मंत्री परिषद की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

पटना जू का पार्क प्रवेश शुल्क समेत अन्य संसाधनों को बढ़ाने के लिए समिति का गठन

वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बाघ और जैव विविधता के संरक्षण प्रबंधन एवं एक विकास को सरल एवं सहायक बनने के लिए टाइगर रिजर्व फाउंडेशन का गठन किए जाने का प्रावधान है। भारत सरकार की ओर से दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार बिहार में पूर्व से घोषित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के लिए वाल्मीकि व्यग्र आरक्षण फाउंडेशन का गठन किया गया है। इसके लिए 15 करोड़ की राशि को कॉरपस फंड के गठन की स्वीकृति का निर्णय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिया। इसके अलावा पटना जू में पार्क प्रवेश शुल्क, दंड शुल्क, आयोजन, अनुदान एवं दान दत्तक निधि सहित अन्य संसाधनों को बढ़ाया जाना आवश्यक है। इसके लिए समिति के गठन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है।

तीन नए विभाग बनाने को लेकर सीएम नीतीश ने कहा...

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि अगले 5 वर्षों (2025–30) में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देना आवश्यक है और उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। साथ ही लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सघन अनुश्रवण की भी आवश्यकता होगी। इसी उद्देश्य से राज्य में तीन नए विभाग, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, नागर विमानन विभाग के गठन का निर्देश दिया गया है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के जरिए अगले 5 वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं को उद्यमिता के अवसर प्रदान करने और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है।

एक नजर

चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया चोर, ग्रामीणों ने जमकर की पिटाई, पुलिस ने हिरासत में लिया

मोतिहारी। मोतिहारी के पताही थाना क्षेत्र में मंगलवार की दोपहर एक चोर को चोरी करते रंगे हाथ पकड़कर ग्रामीणों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी। स्थानीय लोगों की सतर्कता और चौकसी के चलते चोरी करने वाले आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई।जानकारी के अनुसार, पताही थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 के भिखारी मंडल के घर में चोरी की कोशिश की जा रही थी। उसी समय स्थानीय ग्रामीणों ने आरोपी को चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। जैसे ही गांव के लोगों को चोरी की जानकारी मिली, तुरंत बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने किसी देरी किए बिना आरोपी को पकड़कर उसका सामना किया।स्थानीय लोगों ने बताया कि सबसे पहले आरोपी को रस्सी से एक पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई शुरू की गई। इसके बाद उसे सड़क पर घसीटते हुए और जमकर मारपीट की गई। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ अपनी नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया था, लेकिन गांव के लोगों की सतर्कता के कारण वह पकड़ा गया। घटना के बारे में थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी और मामले की जांच की जा रही है। थाना पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों की सतर्कता की वजह से चोरी का प्रयास विफल हुआ और चोरी की वारदात को समय रहते रोका जा सका।

पटना पीएमसीएच बच्ची की मौत की जांच, पैर के ऑपरेशन में हाई डोज एनेस्थिसिया का शक

पटना। बिहार की राजधानी पटना के प्रतिष्ठित पीएमसीएच अस्पताल में 3 वर्षीय मासूम बच्ची अवंतिका राय की ऑपरेशन के दौरान मौत के मामले ने अस्पताल प्रशासन और परिवार के बीच तनाव बढ़ा दिया है। गोपालगंज जिले की रहने वाली अवंतिका लगभग दो सप्ताह पहले खेलते हुए गिर गई थी, जिससे उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए थे। बेहतर इलाज की तलाश में परिवार ने बच्ची को पटना लाया और पीएमसीएच के हड्डी रोग विभाग के प्रो. डॉ. महेश प्रसाद की यूनिट में भर्ती कराया। 2 दिसंबर को अवंतिका का ऑपरेशन निर्धारित किया गया था। ऑपरेशन के दौरान उसे एनेस्थिसिया देकर बेहोश किया गया, लेकिन सर्जरी के बाद बच्ची होश में नहीं आई। उसकी दिल की धड़कन रुकने के बाद उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया, लेकिन 6 दिसंबर को बच्ची ने अंतिम सांस ली। परिवार ने सोशल मीडिया के माध्यम से आरोप लगाया कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने एनेस्थिसिया की डबल डोज दे दी, जिसे बच्ची सहन नहीं कर सकी और उसकी मौत हो गई। परिजन का कहना है कि सर्जरी में लापरवाही बरती गई और यही मौत की वजह बनी। इस मामले के सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने तुरंत कदम उठाते हुए 4 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। टीम में हड्डी रोग और शिशु रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक शामिल हैं। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आईएस ठाकुर ने बताया कि जांच टीम दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी और उसे संबंधित विभाग को सौंपा जाएगा। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि ऑपरेशन के दौरान अवंतिका की मौत कैसे हुई और क्या एनेस्थिसिया की अधिक मात्रा देने का आरोप सही है। डॉ. महेश प्रसाद की यूनिट के तहत हुई सर्जरी की पूरी प्रक्रिया, ऑपरेशन में शामिल डॉक्टरों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियों की जांच भी की जाएगी। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय किया जाएगा कि मौत के पीछे असली वजह क्या थी।

पटना के प्रोफेसर लीबिया में फंसे, वीजा खत्म, लगाई मानवाधिकार आयोग से मदद की पुकार

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना के राजेंद्र नगर के रहने वाले प्रो. डॉ. संजीव धारी सिन्हा लीबिया में फँस गए हैं। अफ्रीकी देश लीबिया में अंग्रेजी विषय के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत संजीव धारी का वीजा समाप्त हो चुका है। उन्होंने वीडियो जारी कर भारत वापस लाने की गुहार लगाई है, जिसके बाद उनकी मदद के लिए मानवाधिकार आयोग में अर्जी दायर की गई है।जानकारी के अनुसार, प्रो. डॉ. संजीव धारी सिन्हा लीबिया की यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और वर्ष 2014 से ही भारत आने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक अपने वतन वापस नहीं लौट सके हैं। बताया जा रहा है कि वे भारतीय दूतावास की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं।पीड़ित के अनुसार, त्रिपोली यूनिवर्सिटी में 2014-15 और 2015-16 में लगातार सेवा देने के बावजूद जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी नहीं की गई। वीजा संबंधी समस्याओं के कारण 2017 में त्रिपोली यूनिवर्सिटी ने उन्हें

39 माह की बजाय सिर्फ 21 माह का वेतन दिया, जो वीजा अवधि खत्म होने के कारण हवाला के दायरे में आता है। यहां तक कि अलमेरगिब यूनिवर्सिटी में सेवा के दौरान भी उन्हें वैध वीजा नहीं दिया गया। बिना वीजा विदेश में काम करना गैरकानूनी है, ऐसे में उनकी कमाई हुई राशि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (त्र्म्टअ) के तहत हवाला के दायरे में मानी जाएगी। इस गंभीर स्थिति में प्रोफेसर सिन्हा ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा से फोन पर बात कर मदद की अपील की। इसके बाद अधिवक्ता एस.के. झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली तथा बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग, पटना में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। अधिवक्ता ने बताया कि किसी भी नागरिक का विदेश में इस प्रकार फँसा होना मानवाधिकार उल्लंघन की श्रेणी में आता है। मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा ने कहा कि इस मामले में सरकार गंभीर नहीं है। उनके अनुसार, विशेष परिस्थितियों में पूर्व तिथि से वीजा देने का प्रावधान मौजूद है, लेकिन इसके लिए संस्थान और सरकार की सक्रियता आवश्यक है, जो इस मामले में दिखाई नहीं दे रही है। इसी कारण प्रो. सिन्हा की वतन वापसी संभव नहीं हो पा रही है।

गयाजी में शराब तस्करी का बड़ा खुलासा : 40 लाख की विदेशी शराब बरामद, ट्रक चालक गिरफ्तार

एजेंसी/गयाजी

गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र में मंगलवार को उत्पाद विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध विदेशी शराब से भरे एक ट्रक को पकड़ा है। कार्रवाई के दौरान टीम ने ट्रक के चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर इफ-06ऋ-1889 है, जिसके जरिये विदेशी शराब की तस्करी की जा रही थी।गिरफ्तार आरोपी की पहचान उदय कुमार, पिताझशिवनाथ राय, निवासीझराम मंदिर इनयातनगर रासुलपुर, थाना गोरौल, जिला वैशाली (बिहार) के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने शराब के परिवहन संबंधी स्पष्ट जानकारी देने से इनकार किया है। हालांकि, उत्पाद विभाग टीम पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।जांच के दौरान ट्रक से 310 कार्टून विदेशी शराब, कुल 13,320 बोतलें बरामद की गई हैं। बरामद की गई शराब का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 40 लाख रुपये बताया जा रहा है। टीम ने शराब से लदे ट्रक को भी जप्त कर लिया है। उत्पाद विभाग का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि इसके पीछे संगठित तस्करी गिरोह सक्रिय है, जिसकी पहचान की दिशा में अनुसंधान जारी है। सहायक आयुक्त उत्पाद ने बताया कि पूरे प्रकरण में कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान पूरा होने के बाद आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार निगरानी और छापेमारी की जा रही है, जिससे तस्करों पर नकेल कसी जा सके। इस सफल कार्रवाई में उत्पाद विभाग के कई अधिकारी एवं जवान शामिल थे। छापामार दल में श्री विजय कुमार, श्री बन्टी यादव, श्री हलेन्द्र कुमार (स.अ.नि.म.नि.), मद्यनिषेध सिपाही, सैप बल एवं गृह रक्षक जवान सम्मिलित थे। टीम ने तकनीकी एवं स्थानीय सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। उत्पाद विभाग की इस बड़ी उपलब्धि से शराब माफियाओं के नेटवर्क को एक बड़ा झटका लगा है। विभाग का कहना है कि आगे भी ऐसे अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से जारी रखा जाएगा ताकि शराब तस्करी पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

बिहार सृजन घोटाला मामले में पूर्व बीडीओ की पेंशन जब्त, राशि के गबन में बड़ी कार्रवाई

एजेंसी। पटना

बिहार में सृजन घोटाले में फंसे प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सामान्य प्रशासन विभाग ने पहली बार कड़ी कार्रवाई की है। पीरपैंती प्रखंड में विकास पदाधिकारी के रूप में तैनात रहे चंद्रशेखर झा की पेंशन राशि को सरकार ने पूरी तरह से जब्त कर दिया है। इसका अर्थ है कि रिटायर होने के बाद उन्हें मिलने वाली पेंशन अब उनके खाते में नहीं जाएगी। यह कदम राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति और सरकारी निधि की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, चंद्रशेखर झा के कार्यकाल के दौरान उनके कार्यालय के विभिन्न मदों के बैंक खातों से कुल 4 करोड़ 52 लाख 88 हजार 246 रुपये की अवैध निकासी की गई थी। इस मामले में 2018 में उइक ने मुकदमा दर्ज किया था और विधि विभाग ने 4 अक्टूबर 2024 को अभियोजन की मंजूरी दी थी। विभाग ने माना कि झा ने अपने पद के दौरान जमा एवं निकासी की निगरानी न करके और नियमानुसार कार्रवाई न करके गंभीर

लापरवाही दिखाई। सामान्य प्रशासन विभाग ने उइक की चार्जशीट रिपोर्ट को आधार मानते हुए पाया कि चंद्रशेखर झा ने लोक सेवक के रूप में अपने कार्यकाल में निजी लाभ के लिए विभिन्न चेकों के माध्यम से करोड़ों रुपये सरकारी राशि को सृजन महिला विकास सहयोग समिति लिमिटेड, सबौर, भागलपुर के खाते में हस्तांतरित किया। यह हस्तांतरण षड्यंत्र और जालसाजी के तहत किया गया था। जाँच में यह भी सामने आया कि चंद्रशेखर झा ने अपनी पत्नी, बबीता झा के नाम से वसुंधरा, गाजियाबाद में फ्लैट बुक कराया और उसका भुगतान सरकारी निधि से करवाया। इसके अलावा उन्होंने सृजन महिला विकास सहयोग समिति लिमिटेड, सबौर, भागलपुर में खाता खुलवाया जबकि उक्त संस्था को बैंकिंग कारोबार की अनुज्ञप्ति नहीं मिली थी। यह स्पष्ट रूप से सरकारी धन का दुर्विनियोग और नियमों की अनदेखी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश की कॉपी सीबीआई को उपलब्ध कराई है और इसे जिला उपायुक्त (डीएम) को भी भेजा गया। इसके अलावा आरोपित अधिकारी के धनबाद स्थित आवास पर भी सूचना पत्र भेजा गया ताकि उन्हें कार्रवाई की जानकारी मिल सके। यह कदम राज्य प्रशासन की सख्त नीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति का प्रतीक है। बिहार में सृजन घोटाला पिछले कई वर्षों से चर्चा में रहा है।

पटना जंक्शन पर ऑटो स्टॉप हुआ बंद, टाटा पार्क में बनी नई पार्किंग, डीएम ने दिया आदेश

एजेंसी। पटना

पटना शहर में ट्रैफिक जाम एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों की रफ्तार रोकता है और शहर की मुख्य सड़कें जाम का शिकार होती हैं। पटना जंक्शन के आसपास की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, जहां ऑटो की अव्यवस्थित पार्किंग, ठेले-गुमटियों की भीड़ और अतिक्रमण ने यातायात को पूरी तरह प्रभावित कर रखा था। यात्रियों के लिए रास्ता संकरा हो गया था और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही भी बाधित हो रही थी। इस गंभीर समस्या को देखते हुए पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम

ने सोमवार को तमाम संबंधित विभागों और ऑटो-व्यापारी संघों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब पटना जंक्शन के मुख्य द्वार पर कोई ऑटो खड़ा नहीं होगा। ऑटो की पार्किंग केवल तय जगह टाटा पार्क में ही होगी, और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जंक्शन के बाहर रोजाना लगने वाली लंबी ऑटो लाइनें न केवल ट्रैफिक जाम का कारण बन रही थीं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और आपात वाहनों के मार्ग में भी बाधा डाल रही थीं। बैठक में मेट्रो अधिकारियों, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन ने भी भाग लिया। सभी ने मिलकर यह तय किया कि टाटा पार्क में ऑटो पार्किंग को लागू किया जाएगा और रेलवे अपने स्तर पर जीपीओ के पास टेंपू पार्किंग स्थल पर व्यवस्था मजबूत करेगा। पार्किंग शुल्क निर्धारित दर के अनुसार ही लिया जाएगा। रेलवे और जिला प्रशासन मिलकर जंक्शन के बाहर ठेले-गुमटियों को भी शिफ्ट करेंगे, ताकि दोनों लेन पर लगातार बनी रहने वाली भीड़ कम हो और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हो सके।डीएम ने बैठक में स्पष्ट कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ नियमित और प्रभावी अभियान चलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सड़कें जाममुक्त बनाना हो तो ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और प्रशासन को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी। नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। बुद्ध मार्ग, अशोक राजपथ, कंकड़बाग, कारगिल चौक, पाटलिपुत्र बस टर्मिनल और बैरिया जैसे जाम वाले पॉइंट्स पर विशेष फोकस रखा जाएगा इसके अलावा, डीएम ने नूतन राजधानी पथ प्रमंडल को निर्देश दिया कि आरएन सिंह मोड़ से मेदांता अस्पताल तक दोनों ओर से सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार किया जाए। बुद्ध मार्ग और विद्यापति मार्ग पर यातायात सुचारु करने के लिए सुधार योजनाएं तैयार करनी होंगी। एलसीटी घाटझकलेक्ट्रेट घाट के बीच ऑल वेदर रोड बनाने का भी प्रस्ताव मांगा गया है। पटना जंक्शन के आसपास ट्रैफिक का सबसे बड़ा दबाव मल्टीमॉडल हब से आने-जाने वाले वाहनों का होता है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हब से वाहन परिचालन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि जंक्शन गोलंबर पर वाहन लोड कम हो और यातायात सुचारु रूप से चलता रहे।

बिहार में भगवान को ठंड से बचाने की कवायद : मंदिरों में बजरंगबली को पहनाए जा रहे ऊनी कपड़े

एजेंसी। पटना

बिहार में कड़ाके की ठंड बढ़ने के साथ ही मंदिरों में भगवान की सेवा और श्रृंगार में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। जिले के विभिन्न मंदिरों में देव प्रतिमाओं को ठंड से बचाने के लिए ऊनी वस्त्र, रजाइयाँ, कंबल और हीटर की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। पुजारियों का कहना है कि जैसे मनुष्य को मौसम के अनुसार देखभाल की जरूरत होती है, वैसे ही भगवान की मूर्तियों को भी गर्माहट देना आवश्यक है। मंदिरों में सर्दियों का विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। मूर्तियों को गर्म कपड़े, ऊनी शॉल और मोटे वस्त्र पहनाए जा रहे हैं। कई मंदिरों में हीटर और कंबल भी लगाए

गए हैं। सर्द मौसम को ध्यान में रखते हुए भोग में भी बदलाव किया गया है। वहीं, घरों में भी भक्त लड्डू गोपाल सहित अन्य देवताओं को गर्म कपड़े पहना रहे हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के महंत रमाकांत झा ने बताया कि मौसम बदलने पर भगवान को आराम और गर्माहट देना भक्तों का दायित्व है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 101 रनों से हराया

74 रन ही बना सका साउथ अफ्रीका, हार्दिक की फिफ्टी; बुमराह के 100 विकेट पूरे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आज कटक में पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरी है।गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को कटक में खेले गए पहले टी20 मैच में 101 रनों के बड़े अंतर से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 12.3 ओवर में 74 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इस तरह बड़ी जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद नियमित रूप से विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि उसके सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक का आंकड़ा छू सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए, जबकि कप्तान एडेन मार्करम ने 14, ट्रिस्टन स्टब्स ने 14 और मार्को यानसेन ने 12 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या को एक-एक सफलता मिली। दिलचस्प बात यह रही कि भारत के सभी गेंदबाजों को सफलताएं मिली। इस दौरान बुमराह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे किए और वह ऐसा करने वाले अर्शदीप के बाद भारत के दूसरे गेंदबाज बने। अक्षर पटेल ने एनरिच नॉर्त्जे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को नौवां झटका दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 72 रन के स्कोर पर नौ विकेट गंवा दिए हैं। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को आठवां झटका दिया। बुमराह ने केशव महाराज को आउट किया जो खाता खोले बिना आउट हुए।भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन रहा है और जसप्रीत बुमराह को भी सफलता मिली। बुमराह ने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट किया जो टी20 अंतराष्ट्रीय में उनका 100वां शिकार बने। ब्रेविस 14 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए।वरुण चक्रवर्ती ने मार्को यानसेन को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को छठा झटका दिया है। यानसेन भारत के लिए खतरा साबित हो सकते थे, लेकिन इससे पहले ही वरुण ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। यानसेन 12 गेंदों पर दो छक्के की मदद से 12 रन बनाकर आउट हुए।वरुण चक्रवर्ती ने डोनोवान फरेरा को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका दिया। फरेरा सात गेंदों पर एक चौका की मदद से पांच रन बनाकर आउट हुए।हार्दिक पांड्या ने डेविड मिलर को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका दिया है। मिलर तीन गेंदें खेलकर एक रन बनाकर आउट हुए।अक्षर पटेल ने एडेन मार्करम को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका दिया। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह 40 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवा दिया है। मार्करम 14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए।तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए भारत को दूसरी सफलता दिलाई। अर्शदीप ने स्टब्स को आउट किया जो नौ गेंदों पर दो चौकों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए।

साउथ अफ्रीका का सबसे छोटा टी-20 स्कोर

साउथ अफ्रीका टीम 74 रन ही बना सकी, यह टी-20 में उनका सबसे छोटा स्कोर रहा। इससे पहले 2022 में भारत के खिलाफ ही राजकोट में टीम 87 रन पर सिमट गई थी। भारत ने कटक के मैदान पर पहली बार ही साउथ अफ्रीका को टी-20 हराया।

एक नजर

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट, साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं। अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं। सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आईं। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ। कई पोस्ट में दोनों को साथ बैठकर मैच का आनंद लेते देखा गया।

पैट कमिंस एडिलेड टेस्ट से वापसी करेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 17 दिसंबर से होने वाले एडिलेड टेस्ट से वापसी करेंगे। उस्मान ख्वाजा भी फिट हो गए हैं। इन दोनों के अलावा, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और इंग्लिश पेसर मार्क वुड अलग-अलग इंजरी की वजह से पूरी एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों प्लेयर अब टी-20 वर्ल्ड कप से पहले फिटनेस हासिल करने पर ध्यान देंगे। टी-20 वर्ल्ड कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होना है। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने बताया कि कमिंस पूरी तरह फिट हैं और एडिलेड में खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका शरीर तैयार है। अगले हफ्ते तक किसी तरह की दिक्कत न हुई तो वही टॉस करेंगे और कप्तानी संभालेंगे। मैकडॉनल्ड ने हेजलवुड की फिटनेस अपडेट देते हुए कहा की। वे पहले हैमस्ट्रिंग और अब एड़ी की पास की मांसपेशियों में दिक्कत के कारण उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा- 'हेजलवुड के लिए यह बेहद निराशाजनक है।

प्रज्ञानानंद ने *FIDE* सर्किट 2025 जीता

कैंडिडेट्स-2026 में जगह पक्की, ऐसा करने वाले भारत के इकलौते पुरुष खिलाड़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने FIDE सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वे अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के अकेले पुरुष खिलाड़ी होंगे। साल भर कई बड़े टूर्नामेंटों में उनके शानदार खेल ने उन्हें यह मौका दिलाया। चेन्नई के 19 साल के इस ग्रैंडमास्टर ने 2025 में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने वाइक आन जे मास्टर्स, सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया, उजचेस कप मास्टर्स और लंदन चेस क्लासिक ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंट जीते। इसके अलावा स्टेपन अवाग्यान मेमोरियल में दूसरा स्थान मिला और सिंकफील्ड कप में टॉप-15 में रहे। हाल ही में हुए FIDE वर्ल्ड कप में वे चौथे दौर तक पहुंचे थे। विमेंस में तीन भारतीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख, कोनेरू हम्पी और आर. वैशाली पहले ही महिला कैंडिडेट्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। कैंडिडेट्स 2026 के आठ खिलाड़ियों में से अभी तक सात की पुष्टि हो चुकी है। अनीश गिरी, फेबियानो कारुआना, मैथियास ब्लूबाउम, जवोखिर सिंदारोव, वेई यी, आंद्रेई एसीपेंको और प्रज्ञानानंद शामिल है। जबकि अंतिम आठवां स्लॉट उस खिलाड़ी को मिलेगा, जिसकी अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक की 6 महीने की औसत स्टैंडर्ड रेटिंग सबसे अधिक हो। इसके लिए खिलाड़ी को 1 फरवरी 2025 से 1 जनवरी 2026 के बीच कम से कम 40 स्टैंडर्ड गेम खेलने अनिवार्य हैं, जिनमें 6 महीने में कम से कम 15 गेम शामिल हों। कैंडिडेट्स 2026 28 मार्च से 16 अप्रैल 2026 के बीच पेजिया, साइप्रस के कैप सेंट जॉर्जिस होटल एंड रिसॉर्ट में खेला जाएगा। डी गुकेश ने साल 2024 में 17 साल की उम्र में टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीत कर सबसे कम उम्र में यह टूर्नामेंट जीतने वाले खिलाड़ी बने थे। उनसे पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

भारत से दो खिलाड़ियों ने यह टूर्नामेंट जीता है

भारत से दो चेस खिलाड़ियों ने अब तक यह टूर्नामेंट जीता है। गुकेश ने साल 2024 में जीता था। जबकि उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था। तब उनकी उम्र 26 साल थी।

आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए 350 प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट

ग्रीन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान पहले सेट में शामिल

16 दिसंबर को अबूधाबी में ऑक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के मिनी ऑक्शन से पहले बीसीसीआई ने 350 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। 10 टीमों में 77 प्लेयर्स की जगह खाली है। इनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं। इसके लिए 1,355 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। ऑक्शन 16 दिसंबर मंगलवार को वअए समयानुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समय 2:30 बजे) से शुरू होगा। क्विंटन डिकॉक का भी नाम शॉर्टलिस्ट की गई सूची में शामिल किया गया है। पहले शुरूआती सूची में उनका नाम नहीं था। लेकिन एक फ्रेंचाइजी की सिफारिश के बाद उनका नाम शामिल किया गया। हाल ही में उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास वापस लेकर भारत के खिलाफ विशाखापट्टनम में शतक जड़ा था। 33 साल के डिकॉक का बेस प्राइस इस बार 1 करोड़ रुपए रखा गया है। पिछले मेगा ऑक्शन में उन्हें 2 करोड़ में ङङफने खरीदा था, लेकिन इस बार उन्हें रिलीज कर दिया। वहीं, 350 खिलाड़ियों में 40 खिलाड़ी का बेस प्राइज 2 करोड़ है। जिसमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सिर्फ दो भारतीय हैं।

पहली स्लॉट के बड़े नाम

पहला बैच (इअ1) बल्लेबाजों का होगा, जिसकी अगुवाई कैमरन ग्रीन करेंगे। इसके अलावा डेवोन कॉन्वे, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, सरफराज खान, पृथ्वी शॉ और डेविड मिलर शामिल हैं। दूसरा बैच (अछ1) ऑलराउंडर्स का होगा, जिसमें वेंकटेश अय्यर को रखा गया है।

एक्सीलरेटेड राउंड

70वें खिलाड़ी (अफगानिस्तान के वहीदुल्लाह जदरान) के बाद एक्सीलरेटेड फेज शुरू होगा। इसके बाद 71 से 350 तक सभी खिलाड़ी जल्दी-जल्दी आएंगे। फिर फ्रैंचाइजी उन खिलाड़ियों के नाम देंगी जिन्हें वे फिर से नीलामी में लाना चाहते हैं।

नई शामिल खिलाड़ियों की सूची

ओवरसीज खिलाड़ी

अरब गुल (अफगानिस्तान), माइल्स हैमंड (इंग्लैंड), डैन लेटगन (इंग्लैंड), क्विंटन डिकॉक (साउथ अफ्रीका), कॉनर एजथरह्यूजन (साउथ अफ्रीका), जॉर्ज लिंडे (साउथ अफ्रीका), बयांडा मजोला (साउथ अफ्रीका), ट्रेवीन मैथ्यू (श्रीलंका), बिनुरा फर्नांडो (श्रीलंका), कुशल परेरा (श्रीलंका), दुनिथ वेलालागे (श्रीलंका), अकीम ऑगस्टे (वेस्टइंडीज)

भारतीय खिलाड़ी

सादेक हुसैन, विष्णु सोलंकी, साबिर खान, बृजेश शर्मा, कनिष्क चौहान, आरोन जॉर्ज, जिक्कू ब्राइट, श्रीहरि नायर, माधव बजाज, श्रीवत्स अचार्य, यशराज पुंजा, साहिल पराख, रोशन वाघसरे, यश दिचोलकर, अयाज खान, धुर्मिल मटकर, नमन पुष्पक, परिक्षित वलसंगकर, पुरव अग्रवाल, ऋषभ चौहान, सागर सोलंकी, इजज सावरिया, अमन शेखावत।

मुंबई रैंप वॉक में साथ चलेंगे मेसी-सुआरेज

एजेंसी। नई दिल्ली

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस महीने भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी इस दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे। उनके साथ जोड़ीदार लुइ सुआरेज भी इसमें हिस्सा लेंगे। रैंप वॉक के आयोजकों ने उनसे 2022 फीफा विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है। जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर 2025 के प्रमोटर सतादरू दत्ता ने मंगलवार को बताया कि मेसी, सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे। दत्ता ने बताया कि यह धर्मार्थ फैशन शो होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेसी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा। कोलकाता चरण में मेस की अब तक की सबसे बड़ी 70 फीट की प्रतिमा का अनावरण सुरक्षा कारणों से टीम होटल से वर्चुअली किया जाएगा। आठ बार के बेलोन डिओर विजेता मेसी अनावरण के लिए पहले स्वयं श्रीभूमि जाने वाले थे। कोलकाता पुलिस के सूत्र ने पुष्टि की है कि मेसी शनिवार तड़के डेढ़ बजे शहर में पहुंचेंगे और ईएम बाईपास पर एक पांच सितारा होटल में रुकेंगे। प्रायोजकों के लिए विशेष मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ से साढ़े 10 बजे तक बजे तक चलेगा। दुर्गा पूजा सत्र के लिए तैयार किया गया मेस्सी का 25 गुणा 20 फीट का भित्ति चित्र भी सॉल्ट लेक स्टेडियम में इस दिग्गज को सौंपा जाएगा।

नई दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के बाद मेसी सॉल्ट लेक स्टेडियम जाएंगे और दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद आयोजकों ने हैदराबाद को दौरे में शामिल किया है। मेसी शाम सात बजे हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हैदराबाद जीओएटी कप के दौरान मौजूदगी रहेंगे जिसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन हासिल है। मेस्सी सोमवार को नई दिल्ली मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। मेसी के नई दिल्ली यात्रा के दौरान नौ सदस्यीय सेलीब्रिटी मैच भी होगा। वर्ष 2011 के बाद पहली बार भारत आ रहे मेसी के दौरे को 15 अगस्त को स्वीकृति मिली थी।

श्रीलंका सीरीज के लिए भारत की विमेंस टी-20 टीम अनाउंस

एजेंसी/नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज के लिए भारत की विमेंस टीम रिलीज हो चुकी है। इउउक विमेंस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। हरमनप्रीत कौर ही टीम की कप्तान और स्मृति मंधाना उप कप्तान रहेंगी। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और विकेटकीपर जी कमलिनी को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिला। भारत और श्रीलंका के बीच 5 मैचों की सीरीज 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। शुरूआती 2 मुकाबले विशाखापट्टनम और बाकी 3 मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

भारत का स्क्वॉड

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रॉड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

बांग्लादेश की जगह श्रीलंका से खेल रहे

टीम इंडिया की यह सीरीज पहले बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली थी, लेकिन उस सीरीज को कैंसिल कर दिया गया। बांग्लादेश की जगह ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज प्लान की गई।वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली सीरीज। वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह इंडिया विमेंस की पहली क्रिकेट सीरीज है। भारत ने इसी साल 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल जीतकर पहली बार क्ळउ टूनार्मेंट की ट्रॉफी जीती थी। टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी किया था।